

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2019 के
तारांकित प्रश्न सं. 225 का उत्तर

रेल परियोजनाएं

*225. सुश्री दिया कुमारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत तीन वर्षों के दौरान नई रेल लाइनों का दोहरीकरण, आमान-परिवर्तन, विद्युतीकरण तथा सिग्नल प्रणाली से संबंधित कार्यों की स्थिति/प्रगति का राजस्थान सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त परियोजनाओं के संबंध में आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और
- (ग) इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2019 को लोक सभा में सुश्री दिया कुमारी के तारांकित प्रश्न सं. 225 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): राजस्थान सहित देश में नई लाइनों, दोहरीकरण, आमान परिवर्तन, विद्युतीकरण और सिगनल प्रणाली से संबंधित ब्यौरा निम्नानुसार है:-

नई लाइनें:- इस समय, भारतीय रेल ने 3.87 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 21,295 कि.मी. लंबी 188 नई लाइन परियोजनाएं आरंभ की हैं, जो निष्पादन/योजना/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 2,622 कि.मी. लंबी रेल लाइन को चालू करने का कार्य पूरा कर लिया गया है और इस पर मार्च, 2019 तक 85,536 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान 188 नई लाइन परियोजनाओं में से, 71,927 करोड़ रुपए की लागत वाली 3,850 कि.मी. लंबी 49 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

कुल 188 नई लाइन परियोजनाओं में से, 15,303 करोड़ रुपए की लागत वाली 1238 कि.मी. लंबी 11 नई लाइन परियोजनाएं पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से राजस्थान राज्य में पड़ती हैं। इनमें से, 69 कि.मी. लंबी लाइन को चालू करने का कार्य पूरा कर लिया गया है, जिस पर मार्च, 2019 तक 1543 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 11 नई लाइनों में से, 2728 करोड़ रुपए की लागत वाली 163 कि.मी. लंबी 03 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

आमान परिवर्तन:- इस समय, भारतीय रेल ने 56,135 करोड़ रुपए की लागत वाली 7275 कि.मी. लंबी 55 आमान परिवर्तन परियोजनाएं आरंभ की हैं, जो निष्पादन/योजना/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से, 3,573 कि.मी. लम्बाई का कार्य पूरा कर लिया गया है और इस पर मार्च, 2019 तक 19,640 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान 55 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से, 10,718 करोड़ रुपए की लागत वाली 1,328 कि.मी. लंबी 24 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

कुल 55 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से, 12,992 करोड़ रुपए की लागत वाली 1,637 कि.मी. लंबी 06 आमान परिवर्तन परियोजनाएं पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से राजस्थान राज्य में पड़ती हैं। इनमें से, 664 कि.मी. लंबे आमान परिवर्तन के कार्य को पूरा कर लिया गया है, जिस पर मार्च, 2019 तक 2,349 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से आने वाली 06 आमान परिवर्तन परियोजनाओं में से, 2,654 करोड़ रुपए की लागत वाली 152 कि.मी. लंबी 01 परियोजना को बजट में शामिल किया गया है।

दोहरीकरण:- इस समय, भारतीय रेल ने 2.32 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 20,500 कि.मी. लंबी 255 दोहरीकरण परियोजनाएं आरंभ की हैं, जो निष्पादन/योजना/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 2,784 कि.मी. लंबे दोहरीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और इस पर मार्च, 2019 तक 48,342 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान 255 दोहरीकरण परियोजनाओं में से, 62,825 करोड़ रुपए की लागत वाली 5,184 कि.मी. लंबी 81 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

कुल 255 दोहरीकरण परियोजनाओं में से, 18,699 करोड़ रुपए की लागत वाली 1,789 कि.मी. लंबी 14 आमान परिवर्तन परियोजनाएं पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से राजस्थान राज्य में पड़ती हैं। इनमें से 137 कि.मी. लंबे दोहरीकरण के कार्य को पूरा कर लिया गया है, जिस पर मार्च, 2019 तक 2,475 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से आने वाली 14 दोहरीकरण परियोजनाओं में से 10,144 करोड़ रुपए की लागत वाली 724 कि.मी. लंबी 04 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

रेल विद्युतीकरण:- इस समय, भारतीय रेल ने 30,915 करोड़ रुपए की लागत वाली 29,537 कि.मी. लंबी 62 रेल विद्युतीकरण परियोजनाएं आरंभ की हैं, जो निष्पादन/योजना/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से, 4,521 कि.मी. लंबे रेल विद्युतीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और इस पर मार्च, 2019 तक 9,152 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों

अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान 23,396 करोड़ रुपए की लागत वाली 24,089 कि.मी. लंबी कुल 64 रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है। इन 62 परियोजनाओं में राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 4,904 करोड़ रुपए की लागत वाली 5,360 कि.मी. लंबी 21 रेल विद्युतीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से 865 कि.मी. लंबे रेल विद्युतीकरण के कार्य को पूरा कर लिया गया है, जिस पर मार्च, 2019 तक 1,485 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 3,315 करोड़ रुपए की लागत वाली 4,022 कि.मी. लंबी कुल 20 रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

सिगनल संबंधी कार्य:- इस समय, भारतीय रेल ने सिगनल प्रणाली को अपग्रेड करने के लिए 23,429.76 करोड़ रुपए वाली 877 परियोजनाएं (प्रत्येक की लागत 2.5 करोड़ रुपए से अधिक) आरंभ की हैं, जो निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। उक्त 877 परियोजनाओं में से, 3,842 करोड़ रुपए वाली 205 परियोजनाओं का कार्य पूरा कर लिया गया है। मार्च, 2019 तक 6,332 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान कुल 877 परियोजनाओं में 7,953 करोड़ रुपए की लागत वाली 361 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

इन 877 परियोजनाओं में राजस्थान राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 756.47 करोड़ रुपए की लागत वाली 50 परियोजनाएं शामिल हैं, जिन पर मार्च, 2019 तक 219.24 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। कुल 50 परियोजनाओं में से, 92.44 करोड़ रुपए की लागत वाली 9 परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान 50 परियोजनाओं में से, 458 करोड़ रुपए की लागत वाली 32 परियोजनाओं को बजट में शामिल किया गया है।

(ख): परियोजना-वार निधि के आबंटन और व्यय के ब्यौरे भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.indianrailways.gov.in> Ministry of Railways> Railway Board> About Indian

Railways> Railway Board Directorates> Finance (Budget) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाते हैं।

(ग): किसी भी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं (भूमिगत और भूमि के ऊपर दोनों) की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, भूकंप, बाढ़, अत्यधिक वर्षा, श्रमिकों की हड़ताल जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना, माननीय न्यायालयों के आदेश, कार्यरत एजेंसियों/ठेकेदारों की स्थिति और शर्तें आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना-दर-परियोजना तथा साइट-दर-साइट पर भिन्न-भिन्न होते हैं और ये परियोजना के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं, जिसे अंततः समापन स्तर पर निर्धारित किया जाता है।

राष्ट्र के समग्र हित में और यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन परियोजनाओं को लागत में वृद्धि किए बिना समय पर पूरा किया जा सके, रेलवे में विभिन्न स्तरों पर (फील्ड स्तर, मंडल स्तर, जोनल स्तर और बोर्ड स्तर पर) अत्यधिक निगरानी रखी जाती है और विचाराधीन मामलों, जो परियोजना की प्रगति को बाधित करते हैं, को निपटाने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जाती हैं।

परियोजनाओं को समय पूर्व पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने करार में बोनस खंड के रूप में ठेकेदार को प्रोत्साहित करने का सिद्धांत अपनाया है, जिससे परियोजनाओं की निष्पादन गति में संवर्द्धन होगा।

क्षमता संवर्द्धन संबंधी परियोजनाओं के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए रु. के संस्थागत वित्तपोषण की व्यवस्था की गई है, जिससे अनिवार्य परियोजनाओं के लिए इस प्रतिबद्ध निधि व्यवस्था से रेलवे की क्षमता में वृद्धि हुई है।
